

इंदौर प्रति मंगलवार, 29 सितम्बर 2026 से 5 अक्टूबर 2026 तक

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर अड़ी कांग्रेस

आज फिर देशभर में प्रदर्शन; कल CWC, 30 को INDIA गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली | मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का राजनीतिक और संसदीय दबाव अब अगले चरण में पहुंच गया है। पार्टी ने 28 सितंबर को देशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा है। कांग्रेस की मांग ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तथा मतदाता सूची में हुए बदलावों की स्वतंत्र समीक्षा की है। कई राज्यों में पार्टी ने निर्वाचन कार्यालयों तक मार्च और ज्ञापन देने की घोषणा की है। यह विवाद मुख्य रूप से Special Intensive Revision (SIR) और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर है। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। ये कांग्रेस के राजनीतिक आरोप हैं; निर्वाचन आयोग



की ओर से इन आरोपों पर उसका पक्ष भी महत्वपूर्ण है। विवाद के बीच चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा SIR से जुड़े कुछ निर्णयों पर कथित आपत्तियों का मुद्दा भी विपक्ष उठा रहा है। कांग्रेस ने आंदोलन के

साथ संगठनात्मक स्तर पर भी अगला कदम तय किया है। 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में CWC की बैठक होगी। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

30 सितंबर को INDIA गठबंधन की बैठक

दिल्ली में प्रस्तावित है। इसमें ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग, SIR और निर्वाचन आयोग से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त रणनीति तथा संसद में संभावित कार्रवाई पर चर्चा होने की खबर है। इस्तीफे से आगे महाभियोग की तैयारी। कांग्रेस और विपक्षी दलों की रणनीति केवल इस्तीफे की मांग तक सीमित नहीं रहने के संकेत हैं। विपक्षी खेमे में संसद में महाभियोग/हटाने की प्रक्रिया के लिए समर्थन जुटाने पर भी चर्चा चल रही है। हालांकि यह राजनीतिक-संसदीय प्रक्रिया है और अंतिम कदम के लिए आवश्यक समर्थन तथा संवैधानिक प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

25 सितंबर को भी कांग्रेस ने देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन किया था,

जिसमें दिल्ली, पटना, जम्मू, कोलकाता, गुवाहाटी और अन्य शहर शामिल थे। कुछ स्थानों पर पुलिस कार्रवाई और हिरासत की खबरें भी सामने आई थीं। इस तरह अगले तीन दिन विपक्ष की रणनीति के लिहाज से अहम हैं 28 सितंबर सड़क पर प्रदर्शन, 29 सितंबर CWC और 30 सितंबर INDIA गठबंधन की बैठक।

करोड़ों का कारोबार

कई प्रोजेक्ट...

फिर आखिर ऐसा क्या हुआ?

इंदौर के चर्चित बिल्डर बंटी नागर की मौत ने छोड़े कई सवाल; नहीं मिला सुसाइड नोट, मोबाइल और CCTV से वजह तलाश रही पुलिस



नहीं उठाया तो परिजन उनकी तलाश में ऑफिस पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सुसाइड नोट नहीं मिला

घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन जब्त कर डिजिटल डेटा की जांच शुरू कर दी है। घटना से पहले उनकी किन लोगों से बातचीत हुई और कौन उनसे मिलने आया था, इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है।

कारोबार से जुड़े पहलुओं की भी जांच

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुलिस आर्थिक दबाव, कारोबारी लेन-देन, साझेदारी से जुड़े विवाद और अन्य संभावनाओं की जांच कर रही है। हालांकि अभी इनमें से किसी भी कारण की पुष्टि नहीं हुई है। बंटी नागर के सांवेर रोड सहित अन्य क्षेत्रों में रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट और निवेश बताए गए हैं। पुलिस उनके कारोबारी संपर्कों और पार्टनरों से भी पूछताछ कर रही है।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य की मौत

आत्महत्या या अनसुलझे सवालों से घिरी घटना?

रणजीत टाइम्स विशेष लेख

CCTV में चौथी मंजिल से गिरने/कूदने की घटना, कमरे से मिला खून लगा ग्राइंडर; परिजनों के सवालों के बीच मोबाइल डेटा और फॉरेंसिक जांच पर टिकी निगाह

वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज से दीक्षित युवा साधक दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण की मौत ने वृंदावन से लेकर मध्यप्रदेश तक कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उपलब्ध पुलिस जानकारी के अनुसार दीपक की मौत गुरु कृपा कुंज की चौथी मंजिल से गिरने के बाद हुई। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है, लेकिन घटना से पहले की परिस्थितियों और शरीर पर मिली असामान्य चोटों को लेकर जांच अभी जारी है। मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी दीपक करीब दो वर्ष पहले वृंदावन आए थे और प्रेमानंद महाराज से दीक्षा लेने के बाद रसिक दुलारी शरण नाम से साधना कर रहे थे। वे प्रेमानंद महाराज के श्रीराधा केलिकुंज से कुछ दूरी पर स्थित गुरु कृपा कुंज में रह रहे थे।

मौत से पहले आखिर क्या हुआ?

मामले को असामान्य बनाने वाला सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दीपक के कमरे से पुलिस को कथित तौर पर खून लगा ग्राइंडर मिला है और उनके



शरीर के निजी हिस्से पर गंभीर चोट पाई गई। पोस्टमार्टम से अत्यधिक रक्तस्राव की बात सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह चोट कैसे लगी और घटना से पहले वास्तव में क्या हुआ था।

मोबाइल फोन तथा अन्य नमूने भी फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस द्वारा जांचे गए CCTV फुटेज में दीपक कमरे से निकलने के बाद ऊपर जाते और बाद में छत से छलांग लगाते दिखाई देने की बात सामने आई है। इस कारण पुलिस आत्महत्या की दिशा में जांच कर रही है, लेकिन आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

परिवार ने भी उठाए सवाल

मामले में परिजनों ने भी परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। मीडिया रिपोर्टों में परिवार की ओर से यह आरोप सामने आया है कि उनसे मिलने में कठिनाई होती थी और घटना की परिस्थितियों की पूरी जांच होनी चाहिए। ये परिवार के आरोप हैं; इनकी स्वतंत्र पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

आस्था अपनी जगह, निष्पक्ष जांच भी जरूरी

इस घटना को किसी संत या पूरे आश्रम के विरुद्ध आरोप में बदलना भी उचित नहीं होगा और जांच पूरी होने से पहले इसे केवल आत्महत्या अथवा हत्या घोषित करना भी जल्दबाजी होगी। अभी तक उपलब्ध जानकारी में प्रेमानंद महाराज की व्यक्तिगत संलिप्तता का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। जांच का केंद्र मृतक साधक की अंतिम गतिविधियां, CCTV, मोबाइल डेटा, फॉरेंसिक साक्ष्य और पोस्टमार्टम निष्कर्ष होने चाहिए।

एक युवा साधक ने ऐसा कदम क्यों उठाया

यदि जांच में आत्महत्या ही प्रमाणित होती है—यह सबसे महत्वपूर्ण सवाल रहेगा। वहीं यदि फॉरेंसिक या डिजिटल साक्ष्य किसी अन्य परिस्थिति की ओर इशारा करते हैं, तो उसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। रणजीत टाइम्स का सवाल यही है—न निष्कर्ष पहले तय हो, न किसी को बिना प्रमाण कठघरे में खड़ा किया जाए। जांच ऐसी हो कि दीपक उर्फ रसिक दुलारी शरण के परिवार और समाज के मन में उठ रहे हर वाजिब सवाल का तथ्यात्मक जवाब सामने आ सके।

रणजीत टाइम्स विशेष

राजकुमार मिल की झांकी प्रथम

रणजीत टाइम्स

अनंत चतुर्दशी पर झिलमिलाती झांकियों का कारवां उत्साह और उल्लास के साथ निकला। लाखों लोगों ने रतजगा कर आकर्षक झांकियों को निहारा और अखाड़ों में शामिल युवक-युवतियों व बच्चों के हैरतअंजेज करतब देखे। जिला प्रशासन द्वारा गठित झांकी एवं अखाड़ा निर्णायक समिति ने झांकियों में राजकुमार मिल की झांकी को प्रथम, मालवा मिल और हुकुमचंद मिल की झांकियों को द्वितीय तथा कल्याण मिल और स्वदेशी मिल की झांकियों को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना। वहीं, अखाड़ों की दो विधाओं में चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला और श्री बिंदगुरु व्यायामशाला को प्रथम स्थान मिला। महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार श्री रामनाथ गुरु व्यायामशाला को दिया गया।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने चल समारोह के सुचारु रूप से संपन्न होने पर इंदौर के नागरिकों, व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों, झांकी आयोजकों, अखाड़ों के सदस्यों और मीडियाकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पारंपरिक खेलों तथा सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आकर्षक नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की। ज्ञात रहे कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मिलों के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए पुरस्कार चयन में केवल मिलों की झांकियों को ही शामिल किया गया था।

पुरस्कृत अखाड़े

अखाड़ों तथा व्यायामशालाओं के युवाओं ने हैरतअंजेज प्रदर्शन और विभिन्न शस्त्र कलाओं का प्रदर्शन किया। कलाकारों ने शस्त्र कला की विधाओं को विविधता और बारीकी के साथ प्रस्तुत किया। इसके चलते निर्णायक समिति ने इस बार गतका फरी और दो हाथ की बनेटी विधा में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कारों के लिए अखाड़ों का चयन किया।



प्रथम पुरस्कार

राजकुमार मिल- भगवान विष्णु और असुर मधु-कैटभ का युद्ध।



द्वितीय पुरस्कार

मालवा मिल- मछली जल की रानी।



हुकुमचंद मिल- भगवान गणेश द्वारा सिंदुरासुर राक्षस का वध।



तृतीय पुरस्कार

कल्याण मिल- भारतीय नारी की शक्ति, सामर्थ्य और योगदान।



स्वदेशी मिल- मां जगदंबा द्वारा शुंभ और निशुंभ नामक राक्षसों का वध।



विशेष पुरस्कार

होप टेक्सटाइल मिल- भगवान शिव की बरात।

गतका फरी वर्ग

प्रथम- चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला

द्वितीय- ब्रजलाल गुरु व्यायामशाला, शंकरगंज

तृतीय- महावीर व्यायामशाला

विशेष- छोगालाल उस्ताद व्यायामशाला एवं महावर कोली समाज व्यायामशाला, महावर नगर

दो हाथ की बनेटी वर्ग

प्रथम- श्री बिंदगुरु व्यायामशाला

द्वितीय- सार्वजनिक रविदास व्यायामशाला

तृतीय- बाबूसिंह उस्ताद व्यायामशाला, नादिया नगर

विशेष-स्वर्गीय प्रमोद हार्डिया व्यायामशाला एवं सार्वजनिक अहिरवार समाज चैतन्य व्यायामशाला

महिला वर्ग

प्रथम- श्री रामनाथ गुरु व्यायामशाला

द्वितीय- श्री दास हनुमान व्यायामशाला, दास बगीची

तृतीय- पंचमुखी गुरु अखाड़ा, हवा बंगला

बालक वर्ग

प्रथम- वीर राजपूत (श्री लोधी पंच व्यायामशाला)

द्वितीय- भूमिक यादव (मार्तंडराव व्यायामशाला)

तृतीय- शिवांश कलोनिया (गाजी गुरु व्यायामशाला)

विशेष- उदय बोरासी (वीर बजरंग दल व्यायामशाला, भागीरथपुरा)

बालिका वर्ग

प्रथम- राशि कुलपारे (धानुक समाज शस्त्रकला, महु नाका)

द्वितीय- परिधि धीमान (गुरुदास व्यायामशाला, जिंसी)

तृतीय- नंदनी संदीप यादव (सार्वजनिक श्री मस्त बजरंग मंदिर)

कलेक्टर ने की नकद पुरस्कारों की घोषणा

कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिला प्रशासन की ओर से अखाड़ों की सभी श्रेणियों में नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। उन्होंने गतका फरी और दो हाथ की बनेटी श्रेणी में प्रत्येक के लिए प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार, तृतीय पुरस्कार 25 हजार तथा 10-10 हजार के विशेष पुरस्कार देने की घोषणा की है। महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार 25 हजार और तृतीय पुरस्कार 15 हजार दिए जाएंगे। बालक और बालिका वर्ग के सभी चयनित कलाकारों को 10-10 हजार के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

बड़ा फैसला... एसआईआर विवाद के बाद ईसीआई करेगा खास मामलों में ऑनलाइन सुनवाई

नाम कटा तो घर से दस्तावेज लेंगे बीएलओ

नई दिल्ली • एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वोटर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को बहुत आसान और पारदर्शी बना दिया है। अब नागरिकों को वोटर लिस्ट में अपना नाम बनाए रखने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आयोग ने साफ किया है कि जिन वोटर्स को नोटिस मिले हैं, उनके घर जाकर बूथ लेवल ऑफिसर्स जरूरी डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करेंगे। शनिवार को हुई एक मीटिंग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर यह फैसला लिया।

एप्लीकेशन की डेडलाइन बढ़ा दी गई है, जिससे दिल्ली और महाराष्ट्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। कमजोर और बेघर लोगों के वोटिंग अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए स्पेशल हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी आयोग की इस पूरी रिविजन प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। चुनाव आयोग के इस फैसले से उन नागरिकों को राहत मिलेगी, जिनके नाम पहले तकनीकी कारणों से हटा दिए गए थे।

चुनाव आयुक्तों की बैठक में फैसला लिया गया कि अब सुनवाई सिर्फ खास मामलों में होगी और वह ऑनलाइन होगी। नागरिक अपनी जगह सुनवाई में शामिल होने के लिए परिवार के किसी बालिंग सदस्य को भी अधिकृत कर सकते हैं। जिन्हें एसआईआर के संबंध में नोटिस मिले हैं, उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

ईसीआई ने वोटर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को बनाया आसान

दिल्ली और महाराष्ट्र में आवेदन की डेडलाइन बढ़ाई गई

बेघर और कमजोर वर्ग के लिए विशेष हेल्प डेस्क बनेगी



समिति करेगी समीक्षा। जिला चुनाव अधिकारी जरूरत के हिसाब से नाइट शेल्टर, मजदूरों, गरीबों और बेघर लोगों के लिए हेल्प डेस्क बनाएंगे। एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 के साथ घोषणा पत्र जमा करने की जरूरत लागू रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे सही ठहराया है। एक वरिष्ठ डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर और आईआईटी/आईआईएम के स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति ईसीआईएनईटी की समीक्षा करेगी।

13.37 करोड़ लोगों के कटे नाम। एसआईआर के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में कुल 97.98 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं यानी करीब 14% वोटर्स के नाम एसआईआर में कट गए हैं।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे। बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली, महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में विवाद का निपटारा 30 नवंबर और महाराष्ट्र में निपटारा 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन वोटर्स का नाम छूट गया है, वहां ब्लॉक अफसर घर-घर जाकर फॉर्म-6 कलेक्ट करेंगे।

सर्वसम्मति से लिया गया था एसआईआर पर फैसला

चुनाव आयोग ने शनिवार को अंदरूनी मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए अपने कामकाज पर लगे आरोपों पर बिंदुवार सफाई दी। आयोग ने जोर देकर कहा कि एसआईआर समेत सभी अहम फैसले पूरे आयोग ने सर्वसम्मति से लिए थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी व सुखबीर सिंह संधू ने एकजुटता दिखाते हुए अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शनिवार को इन मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक की।

एसआईआर विवाद के बाद कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

मामला चुनाव आयोग के एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच सामने आया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया था।

गरबा पांडाल में प्रवेश को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने रखी मांग

राजेश धाकड़

इंदौर। नवरात्रि पर्व को लेकर गरबा आयोजनों की तैयारियों के बीच राष्ट्रीय सनातन सेना भारत के जिला उपाध्यक्ष इंदौर विशाल मंडलोई ने गरबा पांडालों में प्रवेश और आयोजन की धार्मिक परंपराओं को लेकर अपनी बात रखी। मीडिया से चर्चा करते हुए मंडलोई ने कहा कि गरबा पांडालों में मां की आराधना धार्मिक श्रद्धा और परंपराओं के अनुरूप की जाती है, इसलिए आयोजन में शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पांडाल की निर्धारित धार्मिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए।

इंदौर प्रति मंगलवार, 29 सितम्बर 2026 से 5 अक्टूबर 2026 तक

अनन्त चतुर्दशी चल समारोह में बिन्दा गुरु व्यायामशाला को प्रथम पुरस्कार

इंदौर। अनन्त चतुर्दशी के चल समारोह में करण धीमान द्वारा बनेठी फिराये जाने पर जिला प्रशासन द्वारा बिन्दा गुरु व्यायामशाला को प्रथम पुरस्कार



से सम्मानित किया गया। इस गौरवमयी उपलब्धि पर समस्त क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से शामिल हैं - बधाईकर्ता - वार्ड क्रमांक 48 के वार्ड अध्यक्ष अमरदीप सिलावट, महेश पाल उस्ताद जी, डमरू पहलवान, प्रेम खलीफा जी, गणपत यादव जी, लेखराज बोरासी जी, गोपाल बोरासी जी, ताराचंद धीमान जी एवं समस्त क्षेत्रवासी। सभी ने बिन्दा गुरु व्यायामशाला के सभी पहलवानों और करण धीमान को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी

श्राद्ध पक्ष में प्रॉपर्टी खरीदना क्या वाकई अशुभ? पूर्वज हमारे लिए अशुभ कैसे हो सकते हैं?

पितरों को साक्षी मानकर नई शुरुआत क्यों नहीं? आस्था अपनी जगह, निवेश का निर्णय अपनी जगह

इंदौर। पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही प्रॉपर्टी बाजार में एक सवाल अक्सर उठता है कि इस अवधि में जमीन, मकान या अन्य संपत्ति खरीदना शुभ है या नवरात्रि तक इंतजार करना चाहिए। परंपरागत रूप से कई परिवार श्राद्ध पक्ष में नई खरीद और मांगलिक कार्यों को टालते हैं।

हालांकि इस मान्यता को देखने का एक सकारात्मक आध्यात्मिक दृष्टिकोण भी हो सकता है।

भारतीय परंपरा में पितृ पक्ष पूर्वजों को याद करने, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनका आशीर्वाद लेने का समय माना जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जिन माता-पिता और पूर्वजों ने परिवार की उन्नति की कामना की, उनका स्मरण अशुभ कैसे हो सकता है। यदि कोई परिवार



पितरों को साक्षी मानकर अपने भविष्य के लिए घर या जमीन खरीदता है, तो इसे सकारात्मक भाव से भी देखा जा सकता है। नई संपत्ति अगली पीढ़ी के भविष्य की नींव बन सकती है।

हालांकि धार्मिक मान्यताएं परिवार और परंपरा के अनुसार अलग-अलग हैं। इसलिए इसे किसी सर्वमान्य शास्त्रीय नियम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वहीं व्यावहारिक तौर पर प्रॉपर्टी खरीदने

का फैसला भावनाओं के बजाय दस्तावेज, टाइटल, लोकेशन, बाजार मूल्य, वैधानिक अनुमति और भविष्य की संभावनाओं की जांच के बाद करना चाहिए। जिन परिवारों की परंपरा श्राद्ध पक्ष में रजिस्ट्री की अनुमति नहीं देती, वे इस दौरान प्रॉपर्टी पसंद करने, दस्तावेजों की जांच और सौदे की बातचीत जैसे काम कर सकते हैं तथा रजिस्ट्री बाद में कर सकते हैं।

पितृ पक्ष को डर के बजाय श्रद्धा और कृतज्ञता से देखने का विचार भी सामने आता है। पूर्वजों का स्मरण करते हुए परिवार के भविष्य के लिए संपत्ति बनाना उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम माना जा सकता है। आस्था का सम्मान करते हुए निवेश का निर्णय तथ्यों और अपनी पारिवारिक मान्यताओं के अनुसार लेना बेहतर है।

नवरात्रि में गरबा आयोजनों को लेकर हिंदू जागरण मंच ने सौंपा ज्ञापन

राजेश धाकड़

इंदौर। नवरात्रि पर्व को लेकर हिंदू जागरण मंच इंदौर महानगर जिला द्वारिका द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में ज्ञापन सौंपकर गरबा आयोजनों से जुड़े विभिन्न मुद्दों की ओर पुलिस-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया। मंच की ओर से आदिशंकराचार्य नगर स्थित एरोड्रम थाना एवं बाहुबली नगर स्थित गांधी नगर थाना क्षेत्र में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से मंच ने नवरात्रि में शक्ति की आराधना के धार्मिक स्वरूप को बनाए रखने, गरबा आयोजनों के व्यावसायीकरण पर रोक लगाने, अश्लील एवं आपत्तिजनक गीतों के उपयोग पर नियंत्रण रखने तथा गरबा पंडालों में आने वाले लोगों की पहचान सुनिश्चित करने सहित विभिन्न



मांगें रखीं। मंच ने कहा कि नवरात्रि आस्था और धार्मिक परंपराओं का पर्व है, इसलिए आयोजनों में धार्मिक मर्यादा और अनुशासन का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस दौरान राजपाल जी जोशी, पवन जी बरमोटा, पीयूष जादम, पंकज विश्वकर्मा, रोहित चांसरकर, शैलू ठाकुर, राजा तंवर, रमेश शर्मा, राहुल शर्मा, आकाश गोहर, संजय यादव, यश भंडारी सहित हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता एवं हिंदू समाज के युवा उपस्थित रहे।

गंगवाल बस स्टैंड पर हॉट स्पॉट चेकिंग में 12 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ आरोपी गिरफ्तार

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। छत्रीपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए गंगवाल बस स्टैंड से एक व्यक्ति को 12 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपए है। पुलिस के मुताबिक 27 सितंबर 2026 को थाना छत्रीपुरा की टीम गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र में हॉट स्पॉट चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया

तलाशी के दौरान आरोपी की पेंट की जेब से एक सफेद पारदर्शी जिपर पन्नी में रखा 12 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। पूछताछ और जांच के बाद आरोपी की पहचान विककी पथरोड (30), निवासी शुल्पा खेड़ी, राज मोहल्ला, इंदौर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष सिंह के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त जोन-4 नरेन्द्र सिंह रावत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दीशेष अग्रवाल एवं सहायक पुलिस आयुक्त सराफा यश बिजोरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी छत्रीपुरा संजीव श्रीवास्तव और उनकी टीम द्वारा की गई। कार्रवाई में उनि. पवन नरवरे, प्र.आर. धर्मेन्द्र पाठक, आरक्षक अरुण सिंह चौहान, भूपेन्द्र सिंह एवं धर्मेन्द्र सोनगरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



बाबा महाकाल के भस्म स्वरूप और श्री सांवरिया सेठ की मनमोहक झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर से निकला डोल ग्यारस का 53वां भव्य डोल

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। डोल ग्यारस के पावन अवसर पर श्री बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर द्वारा 53वां भव्य डोल बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ निकाला गया। डोल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे यात्रा मार्ग पर भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

डोल में विशेष आकर्षण के रूप में बाबा महाकाल का भस्म स्वरूप देखने को मिला। वहीं



श्री सांवरिया सेठ की सुंदर एवं मनमोहक झांकी ने भी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डोल के साथ



चल रहे विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कई बालिकाओं ने भी अपने हुनर का

प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं। डोल यात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा स्वागत मंच लगाए गए, जहां डोल यात्रा में शामिल लोगों और आयोजकों का सम्मान भी किया गया। आयोजकों ने बताया कि डोल निकालने की यह धार्मिक परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है और आज भी समाज इसे पूरी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रहा है।



जीवन यज्ञ में स्वाहा से स्वधा की यात्रा ही भवसागर से मुक्ति है

परमात्मा से भवसागर से पार कराने की विनती हम अक्सर भजनों में सुनते रहते हैं। तथा अधिकांश व्यक्ति यह सोचते हैं कि मृत्यु के समय हमें भवसागर को पार कर जाना होगा। परन्तु वास्तविकता यह है कि भवसागर को जीवित जागृत अवस्था में ही पार किया जा सकता है। मनुष्य का शरीर स्वयं में एक संपूर्ण ब्रह्मांड है। हमारे शरीर में

अनेक चक्रों, नाड़ियों व कुंडलिनी शक्ति को अत्यंत ही सुंदर व सूक्ष्म तरीके से व्यवस्थित किया गया है। इसमें आत्मा श्री शिव का व कुंडलिनी श्री आदिशक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। ज्ञान के अभाव में हमारी चेतना सांसारिक वस्तुओं व भौतिकता की ओर अधिक आकृष्ट होती है और हम प्रत्येक सांसारिक वस्तु का उपयोग करना चाहते हैं

और यही भवसागर में डूबने का कारण है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी ने वर्णन किया है कि, श्री कृष्ण ने कहा है कि मानव चेतना नीचे की ओर जाती है और मानव चेतना की जड़ें मस्तिष्क में होती हैं। और जब मनुष्य नीचे की ओर जाने लगता है तो वह परमात्मा के विपरीत दिशा में गति करता है।

‘सर्व भवन्तु सुखिन’

सार्थक अभिव्यक्ति है सहजयोग ध्यान पद्धति

उस अध्यात्मिकता का सार है आत्मतत्व

हम सभी एक ही चेतनतत्व से बने हैं। परम-पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारे चेतनतत्व से, आत्मतत्व से, ही परिचित कराता है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त साधक इस ज्ञान को अपने मज्जा तंतू पर जानता है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, आत्मानुभूति एक सुंदर अवस्था है। जब आपको आत्मबोध हो जाता

है, तो आपका पूरा तन, मन, सबकुछ एकीकृत हो जाता है और इसके बाद आप जो कुछ भी करते हैं, वह आनंद प्रवाहित करता है। इसलिये जब आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति लिखता है तो वह चैतन्यरूपी आनंद उसकी लेखनी में आता है, मूर्ति बनाता है तो वह मूर्ति चैतन्यित हो जाती है, अगर वह बीज बोता है तो है उसकी खेती की सारी फसल चैतन्य से आंदोलित होती है। अब यह सब बहुत विलक्षण है।

UGC के नए इक्विटी नियमों को लेकर माँ करणी सेना ने निकाली

‘हल्ला बोल यात्रा’, कमिशनर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

इंदौर। UGC द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में इक्विटी से संबंधित University Grants Commission (Promotion of Equity in Higher Educational Institutions) Regulations, 2026 को लेकर देशभर में चर्चा के बीच माँ करणी सेना के सनातन प्रकोष्ठ द्वारा सोमवार को इंदौर में शांतिपूर्ण ‘हल्ला बोल यात्रा’ निकाली गई। UGC की आधिकारिक जानकारी के अनुसार उक्त नियम 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किए गए थे। यात्रा के लिए माँ करणी सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बापट चौराहे पर एकत्रित हुए। यहां से सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से हल्ला बोल यात्रा की शुरुआत की और पैदल रीगल चौराहे की ओर रवाना हुए। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों एवं विचारों को लेकर नारे लगाए। रीगल चौराहे पर सभा आयोजित की गई, जहां स्वामीजी एवं अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुए UGC के नए इक्विटी नियमों को लेकर संगठन की चिंताओं और मांगों को सामने रखा। इस दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बाइट भी ली गई। इसके बाद कार्यकर्ता पुनः पैदल यात्रा के रूप में कमिशनर कार्यालय की ओर रवाना हुए। वहां माँ करणी सेना की ओर से संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर नियमों को लेकर संगठन की चिंताओं एवं सुझावों से अवगत कराया गया।

माँ करणी सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन SC, ST, OBC सहित किसी भी वर्ग के अधिकारों के विरोध में नहीं है। प्रत्येक विद्यार्थी को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए।

बापट चौराहे से शुरू हुई यात्रा रीगल चौराहे पहुँची, सभा के बाद कमिशनर कार्यालय जाकर सौंपा ज्ञापन



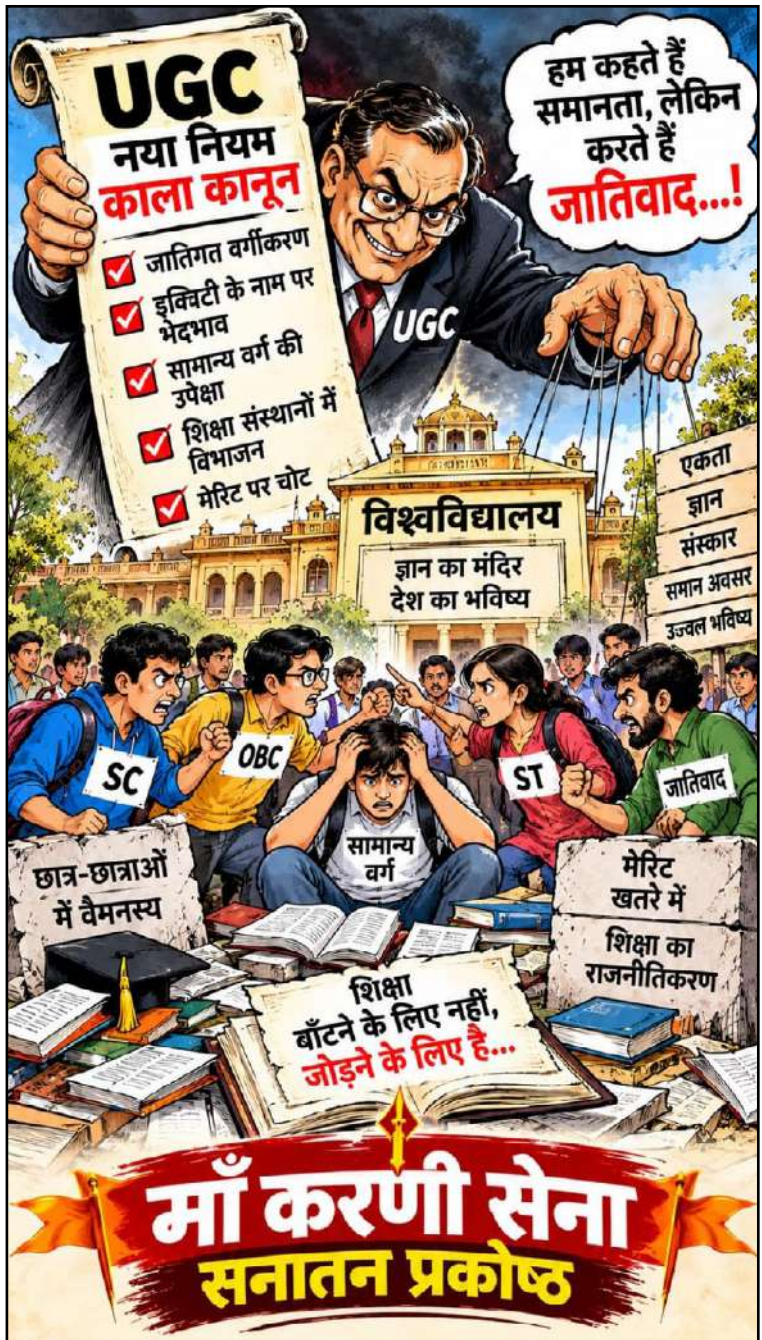
संगठन का कहना है

»» शिक्षा व्यवस्था से जुड़े नियमों में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय की गुंजाइश न रहे और कॉलेजों में जातिगत दूरी के बजाय सामाजिक समरसता एवं आपसी एकता को बढ़ावा मिले। ज्ञापन सौंपने के बाद यात्रा में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यकर्ताओं ने हनुमान जी एवं भगवान महाकाल के जयकारे लगाए। धार्मिक जयघोष एवं हनुमान चालीसा के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रमुख रूप से मौजूद रहे

प्रदर्शन में माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह गौतम, जिला अध्यक्ष बाला ठाकुर, करणी सेना सनातन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी गोपाल गावंडे, राजकुमार सिंह भदौरिया (पप्पू दादा), महेंद्र सिंह बैस, हर्षित ठाकुर, यादवेन्द्र सिंह गौर, अंकित सिंह चौहान, गोलू ठाकुर, शैलेंद्र सिंह चंदेल सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। गोपाल गावंडे ने कहा कि माँ करणी सेना सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता के पक्ष में है। विद्यार्थियों से जुड़े विषयों को लेकर संगठन शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी बात सरकार और प्रशासन तक पहुंचाता रहेगा।

मुख्य संदेश- न किसी समाज का विरोध, न किसी के अधिकारों का हनन। सभी के लिए समान सम्मान • निष्पक्ष व्यवस्था • सामाजिक समरसता।



होलकर साइंस कॉलेज में बवाल

7 छात्र निलंबित

FIR के विरोध में सड़क पर उतरी करणी सेना

माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह गौतम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे; निष्पक्ष जांच की मांग

इंदौर। शासकीय होलकर साइंस कॉलेज में गणेश विसर्जन चल समारोह के दौरान छात्रों के दो गुटों के बीच हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन द्वारा सात विद्यार्थियों को निलंबित करने और पुलिस में FIR दर्ज होने के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में करणी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता होलकर साइंस कॉलेज पहुंचे। प्रदर्शन में माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह गौतम, जिला अध्यक्ष बाला ठाकुर तथा करणी सेना सनातन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी गोपाल गावडे सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कॉलेज परिसर में दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आने और नारेबाजी के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। बाद में विरोध प्रदर्शन एबी रोड तक पहुंचा और चक्काजाम की स्थिति बनी।

आखिर कार्रवाई एक पक्ष पर ही क्यों? - करणी सेना

करणी सेना का आरोप है कि गणेश विसर्जन के दौरान हुआ विवाद दो छात्र गुटों के बीच था, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने कार्रवाई कथित रूप से एकतरफा की। माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह गौतम ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने ABVP के दबाव में एकतरफा कार्रवाई करते हुए सात विद्यार्थियों को निलंबित किया। उनका कहना है कि वे इसी कार्रवाई का विरोध करने प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने भी गंभीर सवाल



उठाते हुए कहा कि यदि विवाद में दोनों पक्ष शामिल थे तो बिना पूरी और निष्पक्ष जांच के चुनिंदा छात्रों के खिलाफ ही FIR और कॉलेज से निलंबन जैसी कार्रवाई क्यों की गई? प्रदर्शनकारी पक्ष का आरोप है कि ABVP से जुड़े जिन छात्रों की भूमिका घटना में बताई जा रही है, उनके खिलाफ समान कार्रवाई नहीं की गई। उनकी मांग है कि उपलब्ध CCTV फुटेज, वायरल वीडियो, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच की जाए तथा जो भी दोषी पाया जाए, उसके संगठन की परवाह किए बिना समान कार्रवाई हो।

सात छात्रों पर कॉलेज की कार्रवाई-कॉलेज प्रशासन ने अनुशासन समिति की कार्रवाई के बाद हर्ष तिवारी, अभिजीत सिंह राजपूत, संस्कार यादव, हरिओम खाती, अर्पित खाती, भावन सिंह राजपूत और सत्यम शर्मा को निलंबित किया है। कॉलेज परिसर में उनके प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है और उनके TC घर भेजने का निर्णय लिया गया है। कॉलेज प्राचार्या डॉ. अनामिका जैन का कहना है कि मारपीट में शामिल पाए गए विद्यार्थियों पर अनुशासन समिति ने कार्रवाई की है। उनके अनुसार निलंबन वापस लेने का निर्णय वे अकेले नहीं ले सकतीं।

रणजीत टाइम्स का सवाल-जब विवाद दो पक्षों का, तो जांच भी दोनों पक्षों की हो रणजीत टाइम्स का मानना है कि इतने गंभीर मामले में किसी भी छात्र के भविष्य पर अंतिम निर्णय लेने से पहले पूरी घटना की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। जब उपलब्ध रिपोर्टों में घटना को करणी सेना और ABVP से जुड़े छात्र गुटों के बीच विवाद बताया जा रहा है, तब यह स्पष्ट होना जरूरी है कि किस छात्र की क्या भूमिका थी और किस साक्ष्य के आधार पर किसके खिलाफ कार्रवाई की गई। यदि किसी पक्ष का आरोप है कि उसके छात्रों पर कार्रवाई हुई जबकि दूसरे पक्ष से जुड़े छात्रों की भूमिका की समान रूप से जांच नहीं हुई, तो प्रशासन और पुलिस को इस सवाल का तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए। CCTV फुटेज, मोबाइल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान सामने रखकर जांच की जाए। दोषी चाहे किसी भी संगठन से जुड़ा हो, कार्रवाई समान हो; और यदि कोई छात्र निर्दोष है तो उसके भविष्य के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

सवाल संगठन का नहीं, निष्पक्ष न्याय का है।

रणजीत टाइम्स, इंदौर

सुर जंक्शन ने संगीत से सराबोर किया इंदौर को



रविवार की शाम को सुर जंक्शन ने श्रोताओं के लिए यादगार और खास बना दिया गानों में इतनी विविधता कभी किसी कार्यक्रम में नहीं देखी। पुराने तो एक दम पुराने गाने वो हसीन दर्द दे दो, शाम रंगीन हुई है, डम डम डिगा डिगा, ए लो मैं हारी पिया, छोड़ कर तेरे प्यार का दामन गाकर मंदा रामटेके, करुणा इंगले, अनिल इंगले, बी आर रामटेके ने पुराने दशकों के गाने याद दिलाये। वहीं सभी आशिकों को आशिकी सिखाने वाला गाना सांसो की जरूरत हैं जैसे से कार्यक्रम की शुरुआत जो अमित जी ने की, उसका तो सारे श्रोतागण फैन हो गए। क्लासिकल गानों में भूपेन हजारिका जैसे नायाब गायक का गाना

दिल हूँ हूँ करे को जीवंत किया गौरव सक्सेना ने। क्लासिकल गानों से सुरमई किया माहौल को प्रियंका आगवन् के बोले से पापीहरा, और अमित सेठी के मेरे नैना सावन भादों ने। दिल दीवाना बिन सजना का मैंने प्यार किया गाने को वंदना सिंह ने बखूबी गाकर पुरानी यादों को ताजा कर दिया। राजशेखर की वादियां तेरा दामन, उदय भोले के दिल को देखो चेहरा न देखो, सचिन की उम्दा गायकी आ लौट के आज मेरे मीत, स्वरा का दो लफ्जों की ये दिल की कहानी और अहाना के गाने ओ मेरे सोना रे सोना ने श्रोताओं को बांध कर रखा। प्रीतम लाल दुआ ऑडिटोरियम कल श्रोताओं से खचाखच भरा रहा।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

QUALITY EDUCATION | EXPERIENCED FACULTY | VALUES & DISCIPLINE | HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

10 दिवसीय गणेश उत्सव के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन,

रणजीत टाइम्स ने रेलवे अधिकारी-कर्मचारियों का किया सम्मान



इंदौर। रेलवे रनिंग रूम में सूरज बौरासी मित्र मंडल द्वारा 10 दिवसीय गणेश उत्सव के समापन के अवसर पर भंडारे एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

रेलवे रनिंग रूम के पदाधिकारीगण एवं

पूरी टीम के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मिथुन पासी, विजय कैथवास, सूरज बौरासी, निलेश, नवीन, विजय वर्मा, विनय, देवेन्द्र, सचिन, नितिन, विक्की, समीर, सलमान, राहुल (खुशीराम जी), (संदीप मालवीय), (भूपेश शोर), (आलोक



सोनी) एवं विशाल सहित अन्य सहयोगियों की सहभागिता रही।

इस अवसर पर रणजीत टाइम्स न्यूज चैनल की टीम द्वारा रेलवे के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

टीम की ओर से उन्हें माँ अहिल्या की प्रतिमा

सप्रेम भेंट की गई। भंडारे में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारीगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का रणजीत टाइम्स परिवार ने आभार व्यक्त किया।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए किसानों से आवेदन आमंत्रित



डिंडौरी। संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ देने के लिए ई-अनुदान डीबीटी पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

किसान 24 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक श्रेडर/मल्टचर, बेलर, स्लेशर, एसएमएस (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम), हे रेक/स्ट्रॉ रेक एवं रोटोकल्टीवेटर यंत्रों के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिले के किसान farmer.mpdage.mp.gov.in पोर्टल पर अपने बैंक खाते से संबंधित निर्धारित धरोहर राशि का डिमांड ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री, डिंडौरी के नाम से बनवाकर आवेदन कर सकते हैं।

निर्धारित धरोहर राशि में श्रेडर/मल्टचर के लिए 5,500 रुपये, बेलर के लिए 15,000 रुपये, स्लेशर के लिए 2,000 रुपये, एसएमएस के लिए 3,500 रुपये, हे रेक/स्ट्रॉ रेक के लिए 5,000 रुपये तथा रोटोकल्टीवेटर के लिए 2,500 रुपये निर्धारित है।

रोटोकल्टीवेटर पर 40 से 50 प्रतिशत तक, अधिकतम 1 लाख रुपये, बेलर पर 40 से 50 प्रतिशत तक, अधिकतम 2 लाख 39 हजार 500 रुपये तथा स्लेशर पर 40 से 50 प्रतिशत तक, अधिकतम 27 हजार 500 रुपये तक अनुदान का प्रावधान है। अन्य कृषि यंत्रों पर देय अनुदान की जानकारी पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

आवेदन के साथ आवेदक की बी-1/खतौनी की प्रति, स्वयं के बैंक पासबुक की प्रति, जाति प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड प्रस्तुत करना आवश्यक है। ट्रैक्टर चलित यंत्रों के लिए ट्रैक्टर की आरसी की प्रति आवश्यक होगी। रक्त संबंध में माता-पिता अथवा भाई-बहन के नाम की आरसी भी मान्य होगी। कृषक अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक कृषि यंत्री, कृषि फार्म, समनापुर तिराहा, डिंडौरी में संपर्क कर सकते हैं।

कोरेक्स के लिए 500 रुपये नहीं देने पर युवक पर चाकू से हमला

धनपुरी पुलिस ने दर्ज किया मामला

साहिल खान

धनपुरी। धनपुरी थाना क्षेत्र के कच्छी मोहल्ला में नशे के लिए रुपये मांगने और रुपये नहीं देने पर युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है।

घटना में युवक की कमर में चोट आई है। पीड़ित की शिकायत पर धनपुरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कच्छी मोहल्ला निवासी अरमान अख्तर (25) अपने दोस्त मो. शाहिद के साथ अमरकंटक रोड से घर लौट रहा था। इसी दौरान इसरार की दुकान के सामने मो. तालिब ने दोनों को रोक लिया और कोरेक्स पीने के लिए 500 रुपये की मांग की। अरमान ने



रुपये देने से इनकार किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर मो. तालिब ने कमर से चाकू निकालकर अरमान की बाई कमर पर वार कर दिया। घटना के दौरान उसके दोस्त मो. शाहिद ने बीच-बचाव किया। वहीं मौके पर पहुंचे मो. सुहैल के सामने भी आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी देने की बात शिकायत में कही गई है। घटना के बाद पीड़ित ने धनपुरी थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अरमान की जुबानी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मो. तालिब के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(b), 115(2), 119(1) एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है। मामले की विवेचना कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक दीपक तिवारी द्वारा की जा रही है।

सरकार आपके द्वार 3-4 अक्टूबर को गांव से शहर तक लगेंगे सेवा सेतु शिविर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी, डीएफओ श्री अशोक सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबू देवांगन सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने निर्देश दिए कि 2 अक्टूबर को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन किया जाए तथा संपूर्ण जिले में स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान



में सभी अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। इसी दिन जनविश्वास अभियान के अंतर्गत विकासखंड करंजिया के ग्राम पंचायत इनकी में भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

3 अक्टूबर को ग्रामीण और 4 अक्टूबर को नगरीय क्षेत्रों में होंगे शिविर

कलेक्टर ने बताया कि जिले में 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' आयोजित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को शासकीय योजनाओं, सेवाओं एवं हितलाभों का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना तथा पात्र नागरिकों के आवेदनों एवं समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण सुनिश्चित करना है। 3 अक्टूबर को विकासखंड स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 4 अक्टूबर को नगर पालिका एवं नगर परिषद स्तर पर नगरीय क्षेत्रों में शिविर आयोजित होंगे।

सेवा संकल्प अभियान: शिवपुरी में 28 से 30 सितम्बर तक आयोजित होंगे विकासखंड स्तरीय कैंप

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांशित करने की पहल

हेमंत भार्गव

ई-केवाईसी, मोबाइल सीडिंग एवं लंबित शिकायतों का मौके पर किया जाएगा निराकरण

शिवपुरी, / कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभांशित करने के उद्देश्य से जिले के विकासखंडों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांशित करने की पहल की गई है। इसके तहत 28, 29 एवं 30 सितम्बर 2026 को विकासखंड स्तरीय 'सेवा सेतु कैंप' का आयोजन किया जाएगा। विकासखंडवार तिथियाँ, स्थल एवं सहायक नोडल

अधिकारियों की नियुक्ति जारी आदेश के तहत शिविरों के सुचारू संचालन हेतु अपर कलेक्टर अथवा जिला आपूर्ति अधिकारी को संपूर्ण जिले के लिए जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं कनिष्ठ अथवा सहायक आपूर्ति अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ब्लॉक स्तर पर समन्वय हेतु संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहेंगे।

विकासखंडवार कैंप की तिथियाँ

करैरा, बदरवास एवं शिवपुरी विकासखंड में 29 सितम्बर को, नरवर, कोलारस एवं पिछोर विकासखंड में 28 सितम्बर, पोहरी एवं खनियाधाना विकासखंड में 30 सितम्बर को शिविर लगाए जाएंगे।

सेवा सेतु कैंपों में सम्पादित-मुख्य कार्य

आयोजित शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं योजना के लाभांशित हितग्राहियों की मौजूदगी में विभिन्न कार्य संपादित किए जाएंगे। जिसमें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को मिलने वाले निःशुल्क खाद्यान्न वितरण एवं वन नेशन वन राशन कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नवीन पात्रता पर्ची हेतु आवेदन करने वाले प्रतीक्षारत हितग्राहियों (5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को छोड़कर) की ई-केवाईसी की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत वर्ष 2021 से पूर्व ई-केवाईसी कराने वाले हितग्राहियों (जो पीओएस मशीन में पीले रंग से प्रदर्शित हैं) की री ई-केवाईसी संपन्न

कराई जाएगी। डाटाबेस में मोबाइल सीडिंग एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण- राशन वितरण की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रेषित करने हेतु जिन परिवारों के मोबाइल नंबर दर्ज नहीं हैं या त्रुटिपूर्ण हैं, उनके सही मोबाइल नंबर दर्ज किए जाएंगे। नवीन पात्रता पर्ची जारी करने तथा राशन न मिलने से संबंधित मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन एवं सीपी ग्राम पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का शिविर स्थल पर ही समाधान किया जाएगा। पात्र परिवारों को वितरित किए जाने वाले गेहूँ, चावल एवं नमक के सैपल प्रदर्शित कर हितग्राहियों को खाद्यान्न की गुणवत्ता से बताया जाएगा। शिविरों में खाद्य विभाग के साथ-साथ पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, नापतौल विभाग, समग्र/आधार से जुड़े अधिकारियों तथा अन्य संबंधित एजेंसियों को भी आमंत्रित किया गया है।

खेतों की मेड़ पर पहुंचा कृषि विभाग, किसानों से हुआ सीधा संवाद

खेत-खेत पहुंचकर फसलों का लिया जायजा, उन्नत तकनीक के साथ संतुलित उर्वरक एवं दवाओं के उपयोग की दी सलाह

करैरा। खेती केवल बीज बोने और फसल काटने तक सीमित नहीं है, बल्कि मौसम, मिट्टी, जल, पोषण और आधुनिक कृषि तकनीकों के संतुलित उपयोग से ही बेहतर उत्पादन संभव है। इसी उद्देश्य को लेकर करैरा कृषि विभाग अब कार्यालय की सीमाओं से बाहर निकलकर किसानों के खेतों तक पहुंचकर उनसे सीधा संवाद कर रहा है।

इसी क्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी फूल सिंह हिंडोरिया अपनी टीम के साथ ग्राम पंचायत जुझाई पहुंचे। उन्होंने किसानों के खेतों में पहुंचकर मौके पर खड़ी फसलों का जायजा लिया और किसानों से खेती-बाड़ी की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मूंगफली,

धान, उड़द सहित विभिन्न फसलों की स्थिति के संबंध में किसानों से जानकारी ली गई। किसानों ने खेती के दौरान सामने आ रही समस्याओं, फसल प्रबंधन तथा उत्पादन बढ़ाने से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएं कृषि अधिकारियों के सामने रखीं।

संतुलित उर्वरक और दवाओं के उपयोग पर जोर

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी फूल सिंह हिंडोरिया ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज, संतुलित पोषक तत्व, समय पर खाद एवं वैज्ञानिक फसल प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि फसल की आवश्यकता और मिट्टी की स्थिति को ध्यान में रखकर ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। साथ ही खेतों में अनावश्यक रूप से कीटनाशक एवं अन्य कृषि दवाओं के प्रयोग से बचने, जरूरत

के अनुसार ही दवाओं का इस्तेमाल करने तथा कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने मिट्टी की उर्वरता और कृषि भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जैविक एवं देशी खाद के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया।

खेत की मेड़ पर बैठकर सुनी किसानों की समस्याएं

इस दौरान खास बात यह रही कि कृषि अधिकारी केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि किसानों के बीच खेत की मेड़ पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही आवश्यक कृषि संबंधी मार्गदर्शन दिया। किसानों का कहना रहा कि यदि कृषि विभाग के अधिकारी इसी तरह गांव-गांव और खेत-खेत पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद करते रहें, तो खेती से जुड़ी

कई समस्याओं का समाधान समय रहते किया जा सकता है।

शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने किसानों से शासन द्वारा संचालित कृषि योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेती से जुड़ी किसी भी समस्या, फसल रोग, कीट प्रकोप अथवा उर्वरक एवं दवाओं के उपयोग को लेकर किसान कृषि विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

खेत की मेड़ से किसान तक पहुंची कृषि सलाह—यह पहल कृषि विभाग और किसानों के बीच संवाद को मजबूत करने के साथ वैज्ञानिक एवं संतुलित खेती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई।

कोयला यार्ड में सुरक्षा बल के जवानों से मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा, आरोपी गिरफ्तार

साहिल खान

अमलाई/शहडोल। जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अमलाई पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने, सुरक्षा बल के कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।



थी। मौके पर पहुंचकर समझाव देने पर आरोपियों ने सुरक्षा बल के कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान आर. अंतराम मरकाम को धक्का देकर गिरा दिया गया। शिकायतकर्ता के साथ भी मारपीट कर उसकी वर्दी फाड़ने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। घटना में सुरक्षा बल के कर्मचारियों एवं एक ट्रक चालक को चोटें आने की बात सामने आई है।

मामले की शिकायत पर थाना अमलाई पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण में नामजद आरोपी हीरामणी त्रिपाठी उर्फ बोग्गा पिता तुलसी प्रसाद त्रिपाठी, उम्र 48 वर्ष, निवासी ग्राम

रामपुर, थाना अमलाई, जिला शहडोल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा लगातार की जा रही है। कार्रवाई में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: थाना प्रभारी अमलाई निरीक्षक भूपेन्द्र मणि पाण्डेय के नेतृत्व में सजिन. अमृत लाल परस्ते, प्र.आर. मुकेश जायसवाल, प्र.आर. पुष्पेन्द्र घोष, प्र. आर. ठाकुरदास एवं आर. मयंक मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बप्पा, अगली बार पुराना वाला भारत लेकर आना

आप आते हो तो घर-आंगन मुस्कुराता है, हर चेहरा उम्मीदों से भर जाता है। आप आशीर्वाद देते हो, नए सपने दिखाते हो, कुछ दिन हमारे होकर... फिर चले जाते हो।

बप्पा, हर साल तुम आते हो, हमारे दुख-सुख के साथी बन जाते हो। हम अपनी हर चिंता तुम्हें सुनाते हैं, और विदाई की घड़ी आते ही न जाने क्यों आंखों में आंसू भर आते हैं।

पर बप्पा...। इस बार जब जाना, तो खाली हाथ मत जाना।

हमारे देश का भ्रष्टाचार साथ ले जाना, बेईमानी और अन्याय का अधेरा मिटा जाना। गरीब की मजबूरी बिके नहीं, सच्चाई किसी ताकत के आगे झुके नहीं— ऐसा हिंदुस्तान बना जाना।

बप्पा, हमारे बच्चों की रक्षा करना, हर कूरता और अत्याचार से उन्हें बचाना। किसी बेटी की आंखों में डर न हो, किसी मासूम के साथ अन्याय न हो। बलात्कार जैसी हैवानियत का नाम मिट जाए, हर बेटी निर्भय होकर घर लौट पाए।

धर्म के नाम पर जो दिल बंट रहे हैं, उन दिलों को फिर से मिला जाना। जाति और मजहब की दीवारों से ऊपर ईसाणियत का दीप जला जाना।

नफरत को अपने साथ ले जाना बप्पा, और प्रेम यहीं छोड़ जाना। अहंकार अपने साथ ले जाना, और संस्कार यहीं छोड़ जाना। लालच अपने साथ ले जाना,



और संतोष यहीं छोड़ जाना।

हमारे युवाओं को ऐसी राह दिखाना, जहां नशा नहीं, संस्कार हों, हाथों में गलत रास्ते नहीं, मेहनत और रोजगार हों। उनके सपनों को पंख देना, माता-पिता के चेहरों पर गर्व देना।

और बप्पा...।

अगली बार जब आना, तो वो पुराना वाला भारत लेकर आना।

जहां रिश्तों में अपनापन था, बड़ों के लिए सम्मान था। बच्चों में संस्कार थे, पड़ोसी भी परिवार था।

जहां बेटी पूरे सम्मान के साथ चलती थी, जहां मां की ममता और पिता की सीख सबसे बड़ी दौलत हुआ करती थी।

जहां त्योहार केवल हमारे-तुम्हारे नहीं, हम सबके हुआ करते थे। जहां अलग-अलग आस्थाओं के बावजूद दिलों में एक-दूसरे के लिए सम्मान हुआ करता था।

बप्पा, ऐसा भारत फिर से लेकर आना—

जहां कुर्सी से बड़ी सेवा हो, पैसे से बड़ी ईमानदारी हो, धर्म से पहले ईसाणियत हो, और हर पहचान से ऊपर हिंदुस्तान हो।

आज आपकी विदाई है...। आंखें नम हैं, लेकिन विश्वास अटूट है। क्योंकि हम जानते हैं— आप जा रहे हो, हमें छोड़कर नहीं जा रहे।

आप हमारे विश्वास में रहोगे, हमारी प्रार्थनाओं में रहोगे, हमारे घर में, हमारे मन में और हमारी हर नई शुरुआत में रहोगे।

बस जाते-जाते हमारी इतनी-सी प्रार्थना स्वीकार कर जाना—

हमारे बच्चों को सुरक्षित रखना, हमारी बेटियों को निर्भय रखना, हमारे युवाओं को सही राह देना, हमारे देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करना, और हमारे भारत को फिर से प्रेम, संस्कार और भाईचारे का भारत बना देना।

फिर अगले बरस आना बप्पा...। मगर इस बार से भी बड़ी मुस्कान लेकर आना। हमारे दुख अपने साथ ले जाना और हमारी खुशियां हजार गुना बढ़ाकर जाना।

गणपति बप्पा मोरया! मंगलमूर्ति मोरया! अगले बरस तू जल्दी आ!

कवि गोपाल गावंडे

फोरलेन हाईवे, तीन नई टनल, ओंकारेश्वर का पर्यटन विकास और औद्योगिक गतिविधियां बढ़ा रही कॉरिडोर का महत्व

इंदौर-खंडवा रोड पर तेजी से बदल रही विकास की तस्वीर

जमीन और फार्म हाउस निवेश पर बढ़ी नजर

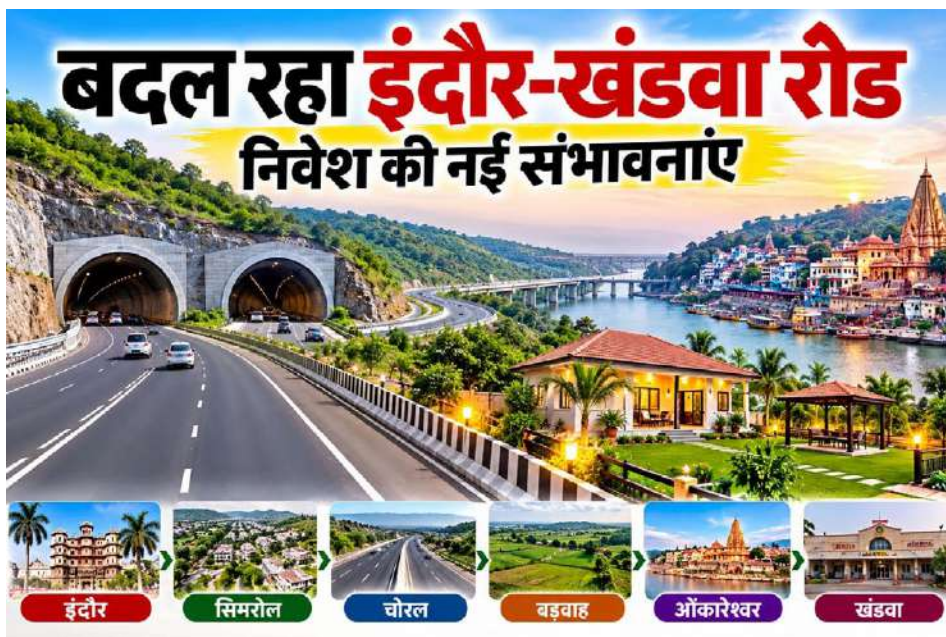
इंदौर। आने वाले वर्षों में इंदौर-खंडवा रोड मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण रोड, धार्मिक पर्यटन और आर्थिक कॉरिडोर में से एक के रूप में उभरता दिखाई दे रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण तेजाजी नगर, सिमरोल, चोरल, बड़वाह, सनावद, ओंकारेश्वर और खंडवा की ओर कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव हो रहा है। इसी कारण इस बेल्ट में जमीन, फार्म लैंड और फार्म हाउस प्रोजेक्ट को लेकर भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने की संभावना है।

फोरलेन नेशनल हाईवे बदल रहा इंदौर-खंडवा रोड की तस्वीर

केंद्र सरकार के अनुसार NH-347BG के तेजाजी नगर-बालवाड़ा के लगभग 33.4 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन किया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कठिन घाट सेक्शन में भेरूघाट, बाईग्राम और चोरल घाट पर तीन टनल बनाई जा रही हैं। सरकार का कहना है कि इससे इंदौर से ओंकारेश्वर और खंडवा की यात्रा अधिक सुरक्षित और तेज होगी तथा माल परिवहन को भी फायदा मिलेगा। मई 2026 की सरकारी जानकारी में इस प्रोजेक्ट को इसी वर्ष पूरा करने की दिशा में बताया गया था। इसका महत्व केवल इंदौर-खंडवा तक सीमित नहीं है। यह कॉरिडोर आगे बुरहानपुर और महाराष्ट्र की ओर संपर्क बेहतर करने के साथ ओंकारेश्वर जैसे बड़े धार्मिक केंद्र तक पहुंच को भी आसान करता है। सिंहस्थ 2028 के दौरान महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए भी इस मार्ग की उपयोगिता बढ़ने वाली है।

खंडवा से आगे भी हजारों करोड़ का हाईवे नेटवर्क

केंद्र सरकार ने 2026 में NH-347B के 233.653 किलोमीटर के विभिन्न हिस्सों के उन्नयन के लिए 4,415.60 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी है। सरकारी जानकारी के अनुसार यह



कॉरिडोर रेलवे स्टेशन, औद्योगिक क्षेत्र, फूड पार्क और अन्य आर्थिक-लॉजिस्टिक नोड्स को बेहतर कनेक्टिविटी देगा। इसके अतिरिक्त खंडवा-छैगांव माखन NH-347B को फोरलेन करने के लिए भी 2026 में केंद्र सरकार की ई-प्रोक्वोरमेंट प्रणाली पर टेंडर प्रक्रिया दर्ज हुई है।

ओंकारेश्वर में धार्मिक पर्यटन के साथ बड़े विकास कार्य

इंदौर-खंडवा रोड की सबसे बड़ी ताकतों में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यहां धार्मिक पर्यटन के साथ बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम परियोजना के तहत आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित हो चुकी है और आगे अद्वैत लोक संग्रहालय, अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान सहित विभिन्न सुविधाओं की परिकल्पना की गई है। मध्यप्रदेश पर्यटन की आधिकारिक सामग्री में इन परियोजनाओं को ओंकारेश्वर के बड़े सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विकास के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसी कड़ी में जून 2026 में

ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में होल्डिंग हॉल, विजिटर सुविधाओं और अन्य विकास कार्यों के लिए करीब 37.33 करोड़ का सरकारी टेंडर भी जारी किया गया।

ओंकारेश्वर में 600 MW फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की योजना

ऊर्जा क्षेत्र में भी यह इलाका महत्वपूर्ण है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड की आधिकारिक परियोजना सूची में ओंकारेश्वर बांध में 600 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पार्क की योजना दर्ज है। परियोजना के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता में विश्व बैंक की भूमिका भी बताई गई है।

खंडवा में औद्योगिक गतिविधियों के लिए भी सरकारी जमीन

Invest MP के मौजूदा लैंड बैंक में खंडवा के रूथी-भावसिंगपुरा औद्योगिक क्षेत्र की करीब 200 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। यह दर्शाता है कि खंडवा क्षेत्र केवल धार्मिक और कृषि गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास के सरकारी ढांचे में भी शामिल है।

क्यों बढ़ सकता है फार्म हाउस और फार्म लैंड का आकर्षण?

इंदौर जैसे बड़े शहर के नजदीक प्राकृतिक वातावरण, सिमरोल-चोरल की हरियाली, ओंकारेश्वर का धार्मिक पर्यटन और बेहतर होती सड़क कनेक्टिविटी—ये सभी कारण इस बेल्ट को सेकंड होम, वीकेंड होम, फार्म हाउस, रिसॉर्ट और पर्यटन आधारित प्रॉपर्टी के लिए आकर्षक बना सकते हैं। विशेष रूप से तेजाजी नगर—सिमरोल—चोरल—बड़वाह—ओंकारेश्वर बेल्ट में हाईवे कनेक्टिविटी बेहतर होने से भविष्य में यात्रा समय और पहुंच की सुविधा में सुधार संभावित है। इसका लाभ होटल, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट, फार्म स्टे और फार्म हाउस जैसी गतिविधियों को मिल सकता है। हालांकि प्रॉपर्टी खरीदते समय केवल भविष्य में कीमत बढ़ने की उम्मीद पर फैसला करना उचित नहीं है। निवेश से पहले टाइटल, डायवर्जन, मास्टर प्लान/लैंड यूज, पहुंच मार्ग, रजिस्ट्री, सीमांकन, बिजली-पानी तथा संबंधित सरकारी अनुमतियों की जांच जरूरी है। जमीन या फार्म हाउस की कीमत बढ़ने की कोई गारंटी नहीं होती।

आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण हो सकता है इंदौर-ओंकारेश्वर- खंडवा कॉरिडोर

एक ओर फोरलेन नेशनल हाईवे और टनल, दूसरी ओर ओंकारेश्वर का धार्मिक-पर्यटन विकास, ऊर्जा परियोजनाएं और खंडवा क्षेत्र में औद्योगिक आधार—इन सभी को एक साथ देखें तो इंदौर-खंडवा रोड केवल एक आवागमन मार्ग नहीं, बल्कि पर्यटन, कृषि, ऊर्जा, उद्योग और रियल एस्टेट गतिविधियों से जुड़ा हुआ कॉरिडोर बन रहा है।

18 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश कर रहा रणजीत टाइम्स एवं फार्म हाउस वाला ग्रुप

इंदौर, 26 सितंबर 2026
रणजीत टाइम्स न्यूज़

रणजीत टाइम्स एवं फार्म हाउस वाला ग्रुप द्वारा पिछले 18 वर्षों से लगातार गणेश उत्सव के दौरान इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन की परंपरा निभाई जा रही है। इस वर्ष भी अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर पूरे उत्साह, श्रद्धा और सामाजिक सरोकार के साथ गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी गई। रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे ने अपने परिवार, मित्रों, सहयोगियों तथा रणजीत टाइम्स एवं फार्म हाउस वाला ग्रुप की पूरी टीम के साथ गणपति बप्पा की पालकी निकाली। ढोल-नगाड़ों और “गणपति बप्पा मोरया” के जयघोष



के बीच बप्पा को श्रद्धापूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर रणजीत टाइम्स की कार्यकारी संपादक रेणु कैथवास, संवाददाता दौलत सिंह पड़ौलिया,

एसोसिएट पार्टनर्स सहित रणजीत टाइम्स एवं फार्म हाउस वाला ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन विशेष रूप से बनाए गए कुंड में इको-फ्रेंडली तरीके से किया गया। आयोजन के माध्यम से संदेश दिया गया कि धार्मिक आस्था और परंपराओं के निर्वहन के साथ-साथ प्रकृति एवं जलस्रोतों की सुरक्षा भी हम सभी की जिम्मेदारी है। इस वर्ष आयोजन को और विशेष बनाते हुए “एक गणपति—एक पेड़” का संकल्प लिया गया। विसर्जित किए गए गणपति के नाम से पौधारोपण किया जाएगा, जिससे बप्पा की विदाई के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक

पहुंचे। प्रधान संपादक गोपाल गावंडे ने कहा कि रणजीत टाइम्स एवं फार्म हाउस वाला ग्रुप पिछले 18 वर्षों से सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ा रहा है। गणेश उत्सव केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश देने का भी अवसर है। इसी उद्देश्य से इको-फ्रेंडली विसर्जन और पौधारोपण की पहल हर वर्ष की जा रही है। कार्यक्रम में गणपति बप्पा की महा आरती, महाभोग एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। सभी ने बप्पा से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की।